

पुरतगाली सक्किा

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

उत्तरी गोवा के नानोदा बंबर गाँव में एक किसान को ऐसा बर्तन मिला जिसमें बीते युग के सक्किे थे।

- पॉट में 832 तांबे के सक्किे थे, माना जाता है कि इन्हें 16वीं या 17वीं शताब्दी के आसपास गोवा में ढाला गया था, जब यह पुरतगाली शासन के अधीन था।

भारत में पुरतगाली सक्किे की विशेषता क्या थी?

- पुरतगालियों ने गोवा से सोने और चाँदी के सक्किे जारी किये, साथ ही कोचीन, दीव और दमन जैसे अन्य टुकसालों से तांबे, टनि और सीसे के सक्किे भी जारी किये।
- सोने के सक्किों को 'करूज़ाडो' या 'मैनोएल' कहा जाता था और ये समान आकार, मूल्य तथा वज़न में जारी किये जाते थे। उनके एक तरफ क्रॉस था एवं दूसरी तरफ शाही हथियार प्रदर्शित किये गए थे।
- चाँदी के सक्किों को 'मीया-एस्पेरा' और 'एस्पेरा' कहा जाता था।
- तांबे के सक्किों को वभिन्न मूल्यवर्गों में वभिजति किये गया था जैसे 'बाज़ारुको', 'लील', 'तांगा', 'परदाउ' और 'रयिल'।
 - तांबे के सक्किों पर महल, शेर, मुकुट, क्रॉस और राजा का नाम जैसे वभिन्न प्रतीक थे।
- टनि और सीसे के सक्किे मुख्य रूप से दीव और मलक्का से जारी किये जाते थे और इन्हें 'जनिहेइरो' (Dinheiro) कहा जाता था।
 - उनका डिज़ाइन कच्चा था और वे अक्सर आकार में अनियमित होते थे। उनके एक तरफ राजा का नाम या प्रथमाक्षर और दूसरी तरफ एक क्रॉस या एक फूल था।

INDO-PORTUGUESE COINS



गोवा में पुर्तगालियों के साथ भारत का जुड़ाव:

- यात्री के रूप में पुर्तगाली: वास्को डी गामा वर्ष 1498 में [मालाबार तट](#) पर कालीकट में समुद्र के रास्ते भारत पहुँचने वाला पहला पुर्तगाली खोजकर्ता था और उसका स्वागत एक स्थानीय शासक ज़मोरिनि ने किया था।
- उपनिवेशक के रूप में पुर्तगाली: वर्ष 1505 में [फ्रांसिसको डी अल्मीडा](#) पुर्तगाली भारत के पहले वायसराय बने और कोचीन में एक आधार स्थापित किया। उन्होंने कालीकट के ज़मोरिनि और मसिर के मामलुकों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी, जो मसाला व्यापार में प्रतद्विंद्वी थे।
 - [अफोंसो डी अलबुकरक](#) (1510 में) ने बीजापुर सल्तनत से गोवा पर कब्ज़ा कर लिया और गोवा को भारत के पुर्तगाली राज्य की राजधानी बना दिया।
- पुर्तगालियों का औपनिवेशिक शासन: गोवा में पुर्तगाली शासन वर्ष 1510 से 1961 तक लगभग 450 वर्षों तक चला। इस अवधि के दौरान गोवा एक समृद्ध और महानगरीय शहर बन गया, जिसे "पूर्व का रोम" कहा जाता था।
- गोवा की मुक्ति: पुर्तगाली शासन से [गोवा की मुक्ति](#) भारत सरकार द्वारा दिसंबर 1961 में 36 घंटे के सैन्य अभियान के बाद हासिल की गई, जिसे [ऑपरेशन वजिय](#) के नाम से जाना जाता है।
- गोवा को राज्य का दर्जा: वर्ष 1987 में [गोवा को भारत सरकार द्वारा राज्य का दर्जा](#) दिया गया और यह भारत का 25वाँ राज्य बन गया।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. पांडिचिरी (अब पुदुचेरी) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2010)

1. पांडिचिरी पर कब्ज़ा करने वाली पहली यूरोपीय शक्ति पुर्तगाली थी।

2. पांडचिरी पर कब्ज़ा करने वाली दूसरी यूरोपीय शक्ति फ्राँसीसी थे ।
3. अंगरेज़ों ने पांडचिरी पर कभी कब्ज़ा नहीं किया ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/portuguese-coin>

